

15/6/2012

पत्रपत्नी देवकी - अश्लेषकता वारी अनुपपत्नी  
 आकाश लागवट के गहरे । अश्लेषकता वारी अश्लेष  
 वारी स्वयं उपाय करते नहीं हुए एवं न ही  
 प्रतिकारी 1, 13, 15 की लक्ष्मी 314 (र) 316 की  
 लक्ष्मी एवं मृतक प्रतिकारी के कायम हेतु कोई  
 कार्यवाही नहीं करते । उकारण अदम्य एजिरी  
 अदम्य परकी से अकारण विकास जल है  
 पत्रपत्नी का लक्ष्य शुभा देख कर लक्ष्य  
 कार्य है

2013  
 00760

(सुन्दर विनोद)  
 सहायक कलेक्टर एवं  
 उपस्थित अधिकारी  
 विनोदगढ़ (राज.)